नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक................................ दिनांक : 08.08.2022

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आज दिनांक 8 अगस्त, 2022 को हिंदी विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'साहित्य की पठनीयता' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. राणा प्रताप तिवारी, अध्यक्ष हिंदी विभाग, जवाहरलाल नेहरू स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज उपस्थित रहें। प्रो. राणा प्रताप तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्य ही जीवन है जीवन ही साहित्य है। हर घर में पठनीयता को ध्यान में रखते हुए एक पुस्तकालय अवश्य होना चाहिए। भूमंडलीकरण के दौर में पूरा समाज बदल रहा है और साहित्य का सृजन, पठनीयता भी बदल गई है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा जिस आधार पर बंध है वह है 'पाठ्यक्रम'। अब सब कुछ पाठ्यक्रम तक सिमट कर रह गया है। इसके इतर पढ़ने योग्य पुस्तकों की तरफ ध्यान अब प्रायः लोगों का कम हो गया है। साहित्य पढ़ने वालों की रूचि में भी कमी आई है। पुस्तकालयों में भी बैठकर पढ़ने वालों में कमी आई है। और पुस्तकों की संख्या भी कम हो रही है। इससे हमारी पठनीयता संकट में है, इसलिए पढ़ना जरूरी है। प्रो. राणा प्रताप तिवारी ने तुलसी, सूर, जायसी, केशव आदि के साहित्य की पठनीयता की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। आज की शिक्षा प्रणाली की चर्चा करते हुए कहा कि आज का साहित्यकार सामाजिक सरोकारों से दूर होने के कारण पाठकों से दूर होता जा रहा है। आर्थिक उदारीकरण के दौर में भूमंडलीकरण के दंश ने हमें बेकार कर दिया है। आगे तिवारी जी ने बताया कि हमें पुस्तक अवश्य पढ़ना चाहिए क्योंकि पुस्तक हमारे ऐसे मित्र हैं जो हमें नैतिकता, सदाचार सिखाते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ल एवं आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

(डॉ. सुधा शुक्ल)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी